भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2097

उत्तर देने की तारीख: 08.03.2021

राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन

2097. डॉ. सुकान्त मजूमदार

श्री विनोद कुमार सोनकर

डॉ. जयंत कुमार राय:

श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:

श्री राजा अमरेश्वर नाईक:

श्री भोला सिंह:

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन (एनटीएलएम) शुरू करने पर विचार किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एनटीएलएम इंटरनेट मुख्य भारतीय भाषाओं में सरकार एवं नीति संबधी जानकारी को उपलब्ध कराएगा;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या सरकार ने लोगो एवं टैगलाइन के डिजाइन से संबंधित प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (ख): जी हां महोदय। बजट घोषणा 2021 के तहत, यह कार्य इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सौंपा गया है। यह उत्तर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

से प्राप्त इनपुट पर आधारित है। राष्ट्रीय भाषा अनुवाद मिशन (एनएलटीएम) का उद्देश्य इंटरनेट पर शासन और नीति से संबंधित ज्ञान संपदा को प्रमुख भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराना है। इस प्रकार, इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग कर भाषा की बाधा को दूर करना है जिससे नागरिकों का डिजिटल समावेशन और डिजिटल सशक्तीकरण हो।

(ग) और (घ): जी हां। शासन और नीति का क्षेत्र एनएलटीएम के अंतर्गत आता है। शासन और नीति पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध जानकारी का उपयोग डेटासेट बनाने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मशीन अनुवाद प्रणाली में प्रशिक्षित करना है।

(ङ): जी हां। एनएलटीएम को एक जन आंदोलन बनाने के लिए और नागरिकों और अन्य हितधारकों जैसेकि उद्योग, शिक्षा जगत, स्टार्ट-अप की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मिशन के नाम, लोगो और टैगलाइन पर सामुदायिक सुझावों के लिए एक चैलेंज राउंड आयोजित किया गया था। कुल 800 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं।

(च): एनएलटीएम भारतीय भाषाओं में नवीन उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने और प्रयोग करने के लिए एक ऐसा पारिस्थितिकीय तंत्र सृजित और संपोषित करता है जिसमें स्टार्ट-अप, शिक्षा जगत और उद्योग को शामिल किया गया है। अब तक सरकार की परियोजनाओं से राष्ट्रीय ओपन डेटा सेट बनाए गए हैं और सभी प्रमुख समाचार पत्रों और टीवी नेटवर्क को अपने डाटा सेट में योगदान करने के लिए कहा गया है। बड़े पैमाने पर स्कूल और कॉलेज के छात्र की भागीदारी के साथ क्राउड सोर्सिंग को प्रोत्साहित किया जाता है। स्टार्ट-अप के लिए चैलेंज राउंड आयोजित किए जाते हैं और वे डाटासेट बनाने में भी शामिल होते हैं।

*****